नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

## जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 20.12.2018

# प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर **'महाराजा छत्रसाल पुण्यतिथि'** पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करती हुयी **गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष श्रीमती किरन सिंह** ने कहा कि महाराजा छत्रसाल मध्ययुग के एक प्रतापी योद्धा थे। जिन्होने मुगल शासक औरंगजेब से युद्ध करके बुन्देलखण्ड में अपना राज्य स्थापित किया और महाराजा की पदवी प्राप्त की। छत्रसाल ने अपना सम्पूर्ण जीवन मुगल सत्ता के खिलाफ संघर्ष और बुंदेलखण्ड की स्वतंत्रता स्थापित करने में समर्पित कर दिया। वे अपने जीवन के अंतिम समय तक आक्रमणों से जूझते रहे परन्तु हार स्वीकार्य नही किया। वे अपने पराक्रमी पिता चम्पत राय की मृत्यु के समय मात्र 12 वर्ष के थे। वन भूमि की गोंद में जन्मे, वनदेवी की छाया में पले, वनराज से इस वीर का उद्‌गम ही तोप, तलवार और रक्त के प्रवाह के बीच हुआ। महाराज छत्रसाल ने शिवाजी से स्वराज का मंत्र लेकर मातृभूमि की रक्षा के लिए औरंगजेब के विरूद्ध विद्रोह का विगुल बजाते हुए, स्वराज स्थापना का बीड़ा उठाया। कवि भूषण द्वारा रचित 'छत्रसाल दशक' महाराजा छत्रसाल के वीरता से भरी पड़ी है।

कार्यक्रम में श्रीमती कविता मंध्यान्, सुश्री पल्लवी नायक, सुश्री रचना सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, श्रीमती साधना सिंह, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक अन्य कार्यक्रम में **'गणित विभाग'** द्वारा **श्री निवास रामानुज अयंगर स्मृति में 20 दिसम्बर से 22 दिसम्बर** तक आयोजित होने वाले **तीन दिवसीय गणित महोत्सव के उद्‌घाटन** अवसर पर बोलते हुए महात्मा गांधी पी.जी. कालेज गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यू.के. गुप्ता ने कहा कि श्रीनिवास रामानुजन एक महान भारतीय गणितज्ञ थे। इन्हे आधुनिक काल के महानतम् गणित विचाराकों में गिना जाता है। इन्होने बिना किसी विशेष प्रशिक्षण के स्वयं से ही गणित सीखा तथा जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों का संकलन किया। इनमें से अधिकांश को अब तक हल ही नही किया जा सका है। यद्यपि इनका जीवन कष्ट और दुःखों से भरा तथा अपने भरण पोषण एवं अध्ययन के लिए भी इधर–उधर भटकना पड़ा और अनेक लोगो से असफल याचनाएँ करनी पड़ी। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र में ट्रान्सपोंटेशन एवं गेम थ्योरी के मूलभूत सिद्धान्तों की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्तमणि त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम में गणित विभाग के कुल 400 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

*क्रमशः...2*

**रसायन विज्ञान विभाग** द्वारा **'एलीफैटिक यौगिकों के प्रतिस्थापन में नाभिक स्नेही अभिक्रिया'** विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सेवा निवृत्त प्रोफेसर डॉ. एच.सी. गुप्ता ने कहा कि 'एलीफैटिक यौगिकों के प्रतिस्थापन में नाभिक स्नेही अभिक्रिया' का उपयोग सामान्य जीवन से जुड़ी हुयी वस्तुएं, उर्वरक तथा विभिन्न प्रकार की जीवनदयिनी दवाओं के निर्माण में किया जाता है। डॉ. एच.सी. गुप्ता ने विभिन्न प्रकार के न्युक्लियोफाइलए इलेक्ट्रोफाइल तथा प्राथमिक, द्वितीय एवं तृतीयक एमीन्स से सम्बन्धित अनेक प्रकार के संश्लेषण एवं इसके उपयोग के विषय में छात्र–छात्राओं को समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम सहाय एवं आभार श्री प्रदीप वर्मा ने किया। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, श्री गौरव तिवारी, श्री संजय जायसवाल सहित शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**अंग्रेजी विभाग** द्वारा **'शेक्सपियरीयन दुखान्त नाटको की अवधारणा एवं मैकबेथ'** विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को सम्बोधित करती हुए भवानी प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्या डॉ. रेनू निगम ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य में जब दानवता जाग्रत होती है तो उसकी मनुष्यता लुप्त हो जाती है; किन्तु जीवन में ऐसे भी स्थल आने है, जहॉ वह परम क्रूर होते हुए भी अपनी मानवोचित भावनाओं से संचलित होने लगता है मानव मन की गहराइयों का व्यंग्यपूर्ण आंकलन 'मैकबेथ' की विशेषता है। शेक्सपियर एक महान नाटककार है और 'मैकबेथ' उनकी अनन्य महान कृतियों में अपना प्रमुख स्थान रखता है।

कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री शिवांगी राय ने तथा आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी डॉ. कविता मन्ध्यान् ने किया। कार्यक्रम में डॉ. आरती सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. विरेन्द्र तिवारी, सुश्री नमिता सिन्हा सहित शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**(डॉ. राजेश शुक्ला)**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी